IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
Impact Factor: 7.301
Volume 3, Issue 1, January 2023

नगरीकरण का पर्यावरण पर प्रभाव : भारत के विशेष संदर्भ

डॉ. सुमन सिंह
असिस्टेंट प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, भूगोल विभाग
राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, चरखारी, जनपद, महोबा, उ० प्र०
drsumansinghs@gmail.com

सारांश (Abstract) : *नगरीकरण आधुनिक विकास प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण अंग है। भारत में तीव्र जनसंख्या वृद्धि, औद्योगीकरण तथा आर्थिक विकास के कारण नगरीकरण की गति निरंतर बढ़ रही है। नगरीकरण ने रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य तथा आधारभूत सुविधाओं का विस्तार किया है, किंतु इसके साथ-साथ पर्यावरणीय समस्याओं में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वायु, जल एवं ध्वनि प्रदूषण, ठोस अपशिष्ट, हरित क्षेत्रों में कमी, जैव विविधता का ह्रास तथा शहरी ऊष्मा द्वीप (Urban Heat Island) जैसी समस्याएँ आज भारतीय शहरों के समक्ष गंभीर चुनौती हैं। प्रस्तुत शोध-पत्र में भारत के विशेष संदर्भ में नगरीकरण के पर्यावरणीय प्रभावों, कारणों, चुनौतियों तथा समाधान का भौगोलिक दृष्टिकोण से विश्लेषण किया गया है। अध्ययन से स्पष्ट होता है कि सतत नगरीय नियोजन, हरित अवसंरचना तथा प्रभावी पर्यावरणीय नीतियों के माध्यम से इन समस्याओं को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है। हाल के अध्ययनों में यह भी पाया गया है कि भारत के अनेक शहरों में नगरीकरण ने स्थानीय तापमान वृद्धि और वायु प्रदूषण को उल्लेखनीय रूप से बढ़ाया है।*

मुख्य शब्द : नगरीकरण, पर्यावरण, वायु प्रदूषण, शहरी ऊष्मा द्वीप, सतत विकास, भारत, ध्वनि प्रदूषण, चुनौतियां आदि।